

## पड़ोसन भाभी की ठरक-1

“मेरे पड़ोस की एक और भाभी थोड़ी ठिगनी थी लेकिन सेक्सी थी. उसकी नजर मुझे अपने ऊपर दिखाई दी, मुझे देख कर मुस्कुराती थी. एक दिन वो मुझे गैस सिलेंडर बदलने के लिए ले गयी और फिर...

”

...

Story By: Prakash (pksch2010)

Posted: Wednesday, September 5th, 2018

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [पड़ोसन भाभी की ठरक-1](#)

# पड़ोसन भाभी की ठरक-1

मित्रो, आपने मेरी पिछली सेक्स कहानी

दोस्त की कामुकता भरी बीवी ने मुझसे चुत चुदाई

पढ़ी. जिसके लिए मुझे बहुत सारे मेल भी मिले कुछ तारीफ़ वाले तो कुछ ऐसे ही सामान्य... आप सभी पाठकों का दिल से धन्यवाद.

मेरी यह नयी सेक्स स्टोरी भी कुछ उसी से मिलती जुलती है. वैसे भी रश्मि के साथ मेरे सेक्स संबंध चालू थे, इसका किसी को पता नहीं चला था.

पिछली कहानी पढ़कर एक महिला पाठक ने मुझे मेल किया और कहा कि आपकी वजह से रश्मि को दूसरा बच्चा ठहर सकता है या आप इसके जिम्मेदार हैं.

लेकिन दोस्तो जब मैं उसके साथ पहली बार सेक्स कर रहा था, तभी मैंने उससे पूछा था कि वीर्य अन्दर ही डालूँ या बाहर निकाल दूँ. तो उसने मुझे जवाब दिया कि मैंने कॉपर-टी लगवा रखी है, तुम चिंता मत करो.. बस मुझे तृप्त कर दो. इस बात से मेरी उन महिला पाठक को उत्तर मिल गया होगा कि रश्मि को बच्चा क्यों नहीं ठहर सकता था.

इसके 6 महीने के बाद रश्मि ने मुझसे बोला कि ललित को दूसरा बच्चा चाहिये, तो मैंने कॉपर टी निकाल दी है.

तो मैंने बोला- ठीक है.

उस दिन के बाद हम लोगों ने सेक्स करना बंद कर दिया. क्योंकि जीने को पूरी लाईफ पड़ी है और हम लोग मैत्री का रिश्ता नहीं तोड़ना चाहते थे.

तभी रश्मि के बाद एक घटना और हुई. उसी बिल्डिंग में एक फैमिली रहती है, उसमें पति पत्नी और दो बच्चे हैं. एक 12 साल का लड़का है और 14 साल की लड़की है. वो भाभी

हाउसवाइरफ हैं और उसका पति का किराना दुकान है. पति महोदय दिन भर दुकान पर ही रहते हैं. भाभी की हाईट 5 फुट होगी, लेकिन दिखने में एकदम माल हैं.. भाभी साड़ी या गाउन पहनती थीं लेकिन उनको देख कर तो किसी का भी लंड खड़ा हो जाए. उनका साईज शायद 36-30-34 का था. उनके बॉल उभर कर दिखते थे. पहले तो मैंने कभी भी भाभी की तरफ ध्यान नहीं दिया.

हमारे यहां पर कचरा की गाड़ी आती है तो घर का कचरा नीचे जाकर देना पड़ता था. एक दिन मेरी बीवी कुछ काम कर रही थी, तो वो मुझसे बोली कि आप ये कचरा नीचे डाल आइए.

मैंने उस वक्त बनियान पहनी हुई थी और नीचे शॉर्ट पहना था. आराम मिलने के कारण मैं शॉर्ट के अन्दर कुछ नहीं पहनता था.

मैंने कचरे की बाल्टी उठाई और लिफ्ट से नीचे जाने लगा. तभी चौथे माले पे लिफ्ट रुकी और उधर से वो भाभी अन्दर आ गई. मैं थोड़ा सहम गया क्योंकि मैंने पूरे कपड़े नहीं पहने थे. मैंने लिफ्ट में लगे बाजू वाले आईने में देखा कि वो लगातार मुझे ही देख रही थीं.

लिफ्ट नीचे आई... हम दोनों वापस कचरा फेंककर लिफ्ट में आ गए. अब मैंने थोड़ी हिम्मत जुटाई और भाभी के चेहरे की तरफ देखा तो भाभी ने एक कातिलाना मुस्कान दे दी. भाभी ने अपने होंठ को दांत के नीचे दबाया.

उनकी इस अदा से ऐसा लग रहा था कि साली लिफ्ट में ही मेरा चोदन कर देगी. भाभी का फ्लोर आ गया और लिफ्ट से निकल गई.

फिर कई बार कभी हम लोग लिफ्ट में मिलते, तो बात करने लगे.

एक दिन मैं ऑफिस से घर आया तो वो मेरे घर में मेरे पत्नी के साथ बात कर रही थीं.

उन्होंने टिफिन बनाने का काम शुरू कर दिया था. उसके बाद से उनका मेरे घर आना कुछ

ज्यादा ही बढ़ गया था. मैं भाभी का नाम बताना भूल गया, उनका नाम कोमल है.

उधर ललित की पत्नी रश्मि भी पेट से हो गई थी तो वो भी उसके मायके चली गई थी. शनिवार का दिन था, कोमल भाभी करीबन 8.30 को घर आईं और मेरी पत्नी से बोलीं कि उनका सिलेंडर खत्म हो गया है, दूसरा लगवाना है, लेकिन मेरे पति सुबह 7 बजे ही दुकान चले गए और बच्चे भी स्कूल गए हैं, प्लीज़ आप लगवा दीजिये ना. कोमल भाभी गाऊन पहन कर आई थीं और उसमें से उनकी ब्रा की पट्टी साफ़ दिख रही थी.

उस दिन शनिवार था इसलिए मैं भी थोड़ी देर पहले ही उठा था. मेरी पत्नी ने मुझसे बोला- प्लीज़ उनका सिलेंडर लगवा दीजिए ना. जैसे ही मेरी बीवी के मुख से ये शब्द सुने तो कोमल भाभी के चेहरे पे मुस्कान आ गई. मैंने भाभी से बोला- आप चलिये, मैं आता हूँ.

कोमल भाभी अपनी गांड मटकाते हुए चली गई, मैंने कपड़े पहने और लिफ्ट से उनके घर आ गया, दरवाजा खुला था. तब भी मैंने बेल बजाई और अन्दर चला गया. उधर सोफे पे एक कोने में एक ब्रा पड़ी हुई दिखी. मैंने भाभी को पुकारा तो वो बोलीं- भैया, आप किचन में आ जाइये.

मैं अन्दर गया तो देखा वो जमीन पे बैठ कर सब्जी काट रही थीं. मुझे देख कर वो उठने को हुई, तो झुकने की वजह से उनके चुचे गाऊन बाहर आने के लिए बेताब दिखे.. अन्दर ब्रा नहीं दिखी. मतलब भाभी ने घर आने के बाद तुरंत ब्रा निकाल दी थी और सोफे पर डाल दी थी.

कुछ बात मेरी समझ में आने लगी थी.

मैंने उनसे पूछा- बताइये किधर लगाना है सिलेंडर!

तो भाभी ने जवाब दिया- नीचे लगाईये न.. मतलब किचन की स्लैब के नीचे रेग्युलेटर है. मैंने उनको बोला- वहां पे बहुत कचरा है पहले आप साफ कर लो, तो मैं वहां पे सरका के लगवा देता हूँ.. सिलेंडर.

हम दोनों लंड चूत लगाने की बात कर रहे थे या सिलेंडर लगाने की बात कर रहे थे ये हम दोनों को समझ में आ रहा था.

फिर मैं वहीं खड़ा रहा, वो झाड़ू लेकर आई और मेरी ओर गांड करके एकदम मुझे सटक कर खड़ी हो गई. फिर झुकी और झाड़ू लगाने लगीं और आगे पीछे होने लगीं. इससे उनकी गांड मेरे लंड पे रगड़ रही थी, जिस वजह से मेरा लंड अपना आकार ले रहा था.

भाभी ने सब कचरा साफ किया, तभी वो खड़ी हुई. तभी एक घटना घटी, उनके गाऊन से एक छोटा सा खीरा नीचे गिरा जो पूरा गीला था. मैंने वो खीरा उठाया तो कोमल भाभी वहां से भाग गईं. मैंने वो खीरा को सूंघा तो पेशाब और चुत के पानी की सुगंध आ रही थी. मैंने खीरा किचन की स्लैब पर रख दिया.

फिर मैं नीचे बैठकर सिलेंडर लगा रहा था, तभी कोमल भाभी वहां आ गईं.

मैं बोला- खीरा के बजाए हमें बुला लिया होता.

तो बोलीं- इसलिए तो बुलाया है.

इतना बोल कर भाभी साईड से नीचे झुक कर देखने लगीं कि मैं क्या कर रहा हूँ.. वे ऐसे झुक कर देख रही थी कि जैसे उन्होंने वो जगह कभी देखी ही नहीं थी. लेकिन असल बात ये थी कि उन्होंने गाऊन के ऊपर वाले अपने दो बटन खोल दिए थे, जिससे उनके चुचे लगभग बाहर आ रहे थे. एक तो बड़े बड़े मम्मे थे और पूरे के पूरे बाहर को लटकने की पोजीशन में थे. मतलब मेरी तो कंडीशन बहुत बुरी हो चली थी, ऐसा लग रहा था कि मेरा लंड भाभी के चुचे देख कर बस यहीं पे ही पानी निकाल देगा.

मैंने सिलेंडर लगाया और अपने लंड पर हाथ से दबाते हुए भाभी से बोला- लो, अब आप चैक कर लो.

कहा तो मैंने सिलेंडर चैक करने का था, लेकिन यूं कहा था कि जैसे अपना लंड चैक करने के लिए कहा हो. लेकिन भाभी ने गैस सिलेंडर ही चैक किया.

फिर मैं उधर से निकल ही रहा था... तो भाभी बोलीं कि एक मिनट रुको... मुझे ऊपर से शक्कर निकालनी है, तो आप मुझे पकड़ने में मेरी मदद कर देंगे ?  
मैं बोला- ठीक है.

वो किचन की स्लैब पे चढ़ गई और किचन की स्लैब के विपरीत दिशा में माला था. जब वो ऊपर चढ़ीं, तब उन्होंने अपना गाऊन करीबन जांघ तक ऊपर को उठा लिया था. स्लैब पर चढ़ जाने के बाद अपने गाऊन को और ऊपर ले लिया और गांठ बांध ली. उनकी इस हरकत की वजह से उनकी नंगी चुत मुझे दिखाई दे रही थी. इस वक्त मेरा मुँह उनके चुत के एकदम सामने था.. और भाभी की चुत से पानी टपक रहा था. शायद वो बहुत ही उत्तेजित हो गई थीं.

वो माले से डब्बा लेने के लिए हुई तो उनकी चुत मेरे मुँह पे लग गई. जब चुत मुँह के सामने होगी तो जीभ बाहर तो आएगी ही. मैंने बिना देर किए जीभ निकाली और भाभी की चुत चूसने लग गया. क्योंकि भाभी का तो ये बहाना था कि उनको शक्कर का डब्बा निकालना है, दरअसल भाभी कुछ और ही चाहती थीं.

मैंने जैसे ही चुत पर जीभ फेरी, भाभी की तो मानो मुराद पूरी हो गई, उन्होंने मेरे सिर को पकड़ा और जोर से अपनी चुत पर दबा दिया. मैं भी भाभी की चुत में जीभ डालकर चुत को चोदने लगा. साथ ही चुत के दाने को मैंने जोर से दबा दिया.

शायद कोमल भाभी इस हमले के लिए तैयार नहीं थीं, वो एकदम उत्तेजित होकर दो मिनट

में ही झड़ गई. भाभी की चुत का पूरा पानी मेरे मुँह में आ गया और वे मेरे शरीर पर निढाल होकर गिर गई. मैंने उन्हें गोद में लिया और नीचे उतारा. किस करने के बहाने मैंने उनकी ही चुत का पानी थोड़ा उनके मुँह में डाल दिया. उनकी साँसें जोर जोर से चल रही थीं.

भाभी मुझसे लिपटते हुए बोलीं- भैया, जिंदगी में पहली बार किसी ने मेरी चुत चाटी है... मेरे पति तो कुछ करते नहीं इसलिए गाजर, मूली और खीरे का सहारा लेना पड़ता है.

मैंने कोमल भाभी से पूछा- ये सब मेरे साथ ही क्यों ?

तो बोलीं- ये बहुत लंबी कहानी है.... मुझे किसी ने बोला है कि आपका ध्यान रखूँ.... इसमें तो मेरा भी फायदा है ना.. आपको जो चाहिए और आपने सोचा नहीं होगा वो भी मिलेगा.

तभी मेरा मोबाईल बजा, मेरी पत्नी का फोन था. वो बोली- क्या सिलेंडर चेंज कर दिया ?

तो मैंने जवाब दिया- हां हो गया.. बस 5 मिनट में आता हूँ.... रेग्युलेटर का थोड़ा सा प्रोब्लम है... तेल डाला है, अभी शायद सिलेंडर में भी तेल लगाना पड़ेगा क्योंकि वो रेग्युलेटर में नहीं जा रहा है.. अभी आता हूँ.

तो वो बोली- ठीक है, मैं नहाने जा रही हूँ.. दरवाजा खुला है.

मैं बोला- ठीक है.

कोमल भाभी मेरी तरफ देख रही थीं. मैंने उनको बोला- आपका तो हो गया, मेरा कौन करेगा.. अभी सिलेंडर पर अपना तेल लगाओ मतलब मेरा लंड चूसो.

भाभी ने समय न गंवाते हुए मेरे शॉर्ट को नीचे किया और लंड मुँह में लेकर चूसने लगीं.

भाभी ने मेरा पूरा लंड मुँह में अन्दर तक ले लिया. मेरा लंड भाभी के गले तक जा रहा था.

भाभी बहुत उत्तेजित थीं.. मैंने उनका सर पकड़ कर उसके मुँह को ही चोदने लगा. मैं भी गरम था तो 5 मिनट में ही मेरा भी वीर्य निकल गया, जो उन्होंने एक बूंद भी बर्बाद नहीं किया और सारा निगल गई. उनके चेहरे पे एक खुशी झलक रही थी. मैं फिर वहां से घर आ

गया.

चूंकि समय कम था इसलिए चुदाई का मजा नहीं लिया जा सका. वो किस्सा कैसे हुआ ये मैं अगले भाग में लिखूंगा. आप अपने अभिप्राय भेजें.

pksch2010@gmail.com

कहानी जारी है.

कहानी का अगला भाग : [पड़ोसन भाभी की ठरक-2](#)



